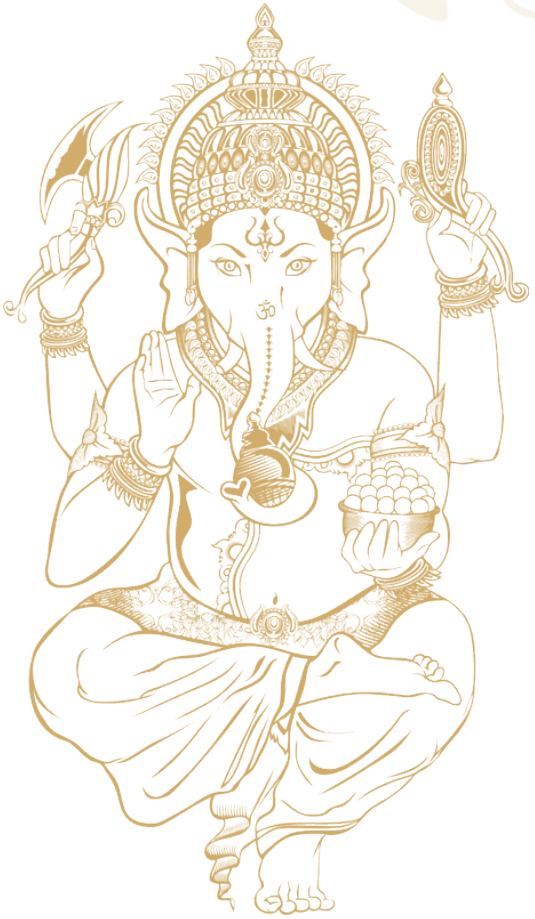

Mr. Vibhav maddan

15 Jun 1996

01:10 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121017908

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/06/1996**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**13:10:00 घंटे**
इष्ट	19:27:25 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:48:52 घंटे
वेलान्तर	-00:00:28 घंटे
साम्पातिक काल	06:24:21 घंटे
सूर्योदय	05:23:02 घंटे
सूर्यास्त	19:20:17 घंटे
दिनमान	13:57:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	00:40:19 मिथुन
लग्न के अंश	11:33:14 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शूल
करण	चतुष्पाद
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वुभेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	11:33:14	317:51:46	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	---
सूर्य			मिथु	00:40:19	00:57:19	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	सम राशि
चंद्र			वृष	22:17:43	12:12:58	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			वृष	08:07:32	00:42:48	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	सम राशि
बुध			वृष	07:52:17	01:13:42	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
गुरु	व		धनु	21:18:22	00:06:42	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	स्वराशि
शुक्र	व	अ	वृष	23:23:50	00:35:01	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	स्वराशि
शनि			मीन	12:39:24	00:03:16	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
राहु	व		कन्या	20:51:17	00:11:13	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	20:51:17	00:11:13	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	10:13:41	00:01:40	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप	व		मक	03:23:53	00:01:18	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	07:18:06	00:01:29	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			मिथु	11:46:46	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:31

लग्न-चलित

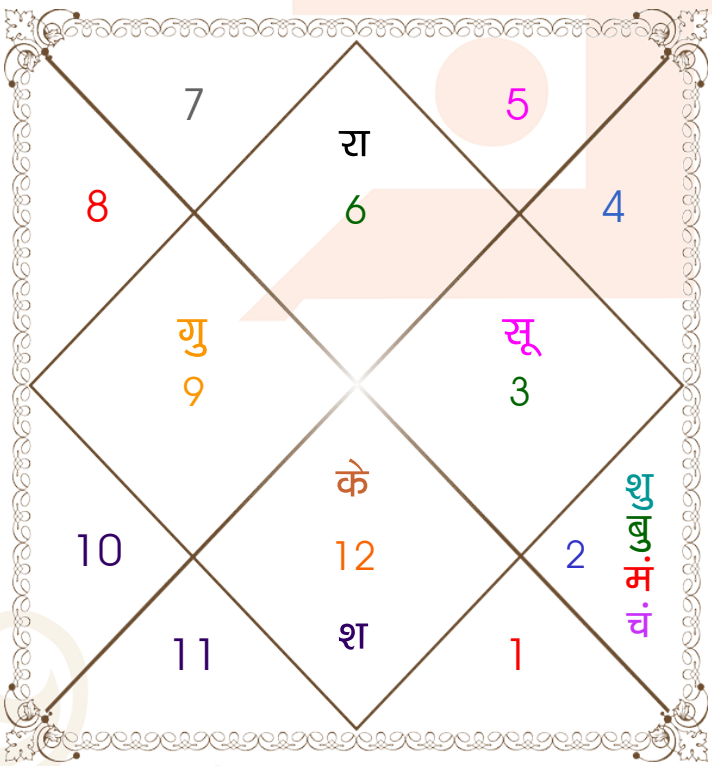

चन्द्र कुंडली

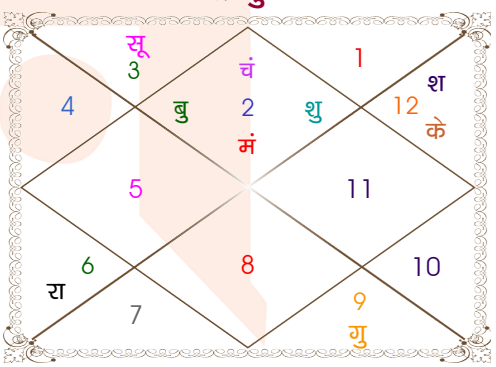

नवमांश कुंडली

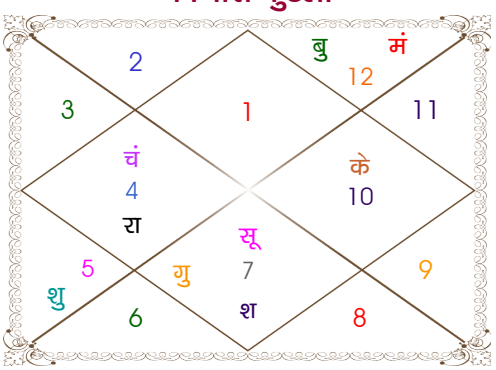

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 9 मास 10 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
15/06/1996		26/03/1997		26/03/2004		27/03/2022		27/03/2038	
26/03/1997		26/03/2004		27/03/2022		27/03/2038		26/03/2057	
	00/00/0000	मंगल	23/08/1997	राहु	07/12/2006	गुरु	14/05/2024	शनि	29/03/2041
	00/00/0000	राहु	10/09/1998	गुरु	02/05/2009	शनि	25/11/2026	बुध	08/12/2043
	00/00/0000	गुरु	17/08/1999	शनि	08/03/2012	बुध	02/03/2029	केतु	15/01/2045
	00/00/0000	शनि	25/09/2000	बुध	25/09/2014	केतु	06/02/2030	शुक्र	17/03/2048
	00/00/0000	बुध	22/09/2001	केतु	14/10/2015	शुक्र	07/10/2032	सूर्य	27/02/2049
	00/00/0000	केतु	18/02/2002	शुक्र	14/10/2018	सूर्य	26/07/2033	चंद्र	28/09/2050
	15/06/1996	शुक्र	20/04/2003	सूर्य	07/09/2019	चंद्र	25/11/2034	मंगल	07/11/2051
शुक्र	25/09/1996	सूर्य	26/08/2003	चंद्र	08/03/2021	मंगल	01/11/2035	राहु	13/09/2054
सूर्य	26/03/1997	चंद्र	26/03/2004	मंगल	27/03/2022	राहु	27/03/2038	गुरु	26/03/2057

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
26/03/2057		27/03/2074		26/03/2081		27/03/2101		28/03/2107	
27/03/2074		26/03/2081		27/03/2101		28/03/2107		00/00/0000	
बुध	23/08/2059	केतु	23/08/2074	शुक्र	26/07/2084	सूर्य	15/07/2101	चंद्र	26/01/2108
केतु	19/08/2060	शुक्र	23/10/2075	सूर्य	26/07/2085	चंद्र	14/01/2102	मंगल	26/08/2108
शुक्र	20/06/2063	सूर्य	28/02/2076	चंद्र	27/03/2087	मंगल	21/05/2102	राहु	25/02/2110
सूर्य	26/04/2064	चंद्र	28/09/2076	मंगल	26/05/2088	राहु	15/04/2103	गुरु	27/06/2111
चंद्र	25/09/2065	मंगल	24/02/2077	राहु	27/05/2091	गुरु	01/02/2104	शनि	26/01/2113
मंगल	22/09/2066	राहु	15/03/2078	गुरु	25/01/2094	शनि	13/01/2105	बुध	27/06/2114
राहु	11/04/2069	गुरु	18/02/2079	शनि	26/03/2097	बुध	20/11/2105	केतु	26/01/2115
गुरु	18/07/2071	शनि	29/03/2080	बुध	25/01/2100	केतु	28/03/2106	शुक्र	16/06/2116
शनि	27/03/2074	बुध	26/03/2081	केतु	27/03/2101	शुक्र	28/03/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 0 वर्ष 9 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।